>

Title: Need to provide special package for development of Vindhya and Mahakaushal regions in Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, मैं सबसे पहले आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। कई दिनों के बाद शून्यकाल शुरू हुआ है। मैं अध्यक्ष महोदया, का भी धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हम लोगों का निवेदन स्वीकार किया।

सभापति महोदय : गणेश जी, मैंने प्रयास किया है कि शून्यकाल में सब कुछ शून्य न हो जाये, इसीलिए मैं किसी को भी जाने नहीं दे रहा हूं।

श्री गणेश सिंह: महोदय, मैं भारत सरकार के माननीय प्रधानमंत्री जी का ध्यान देश के पिछड़े हुए क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष पैकेज देने की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। लगातार यह देखा जा रहा है कि राजनीतिक लाभ उठाने की दृष्टि से देश के विभिन्न क्षेत्रों को विशेष पैकेज दिया जाता रहा है, लेकिन जो वास्तविक रूप से पिछड़े हुए क्षेत्र हैं, उनकी लगातार अनदेखी की जा रही है। मैं प्रधानमंत्री जी से मांग करता हूं कि जिन राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने पिछड़े हुए क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष पैकेज की मांग की है, उसी के तहत अभी हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा विंध्य एवं महाकौशल क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में विशेष पैकेज की जो मांग की गयी है, वह पूर्णतयाः उचित है। प्रधानमंत्री जी को इस पर गहराई से विचार करना क्योंकि विंध्य एवं महाकौशल क्षेत्र देश के उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है, जहां प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इसके साथ-साथ वहां कई महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थल मौजूद हैं, लेकिन धन के अभाव के कारण इन दोनों क्षेत्रों का ठीक से विकास नहीं हुआ है। इन क्षेत्रों में लगातार गरीबी बढ़ रही है। इसके साथ-साथ वहां बुनियादी सुविधाएं भी न के बराबर हैं। राज्य सरकार अकेले अपने संसाधनों से इन क्षेत्रों का विकास करने में सक्षम नहीं हो सकती है, लिहाजा मैं भारत सरकार से इन क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष पैकेज देने की मांग करता हूं। मैं भारत सरकार के प्रधानमंत्री जी का ध्यान इस ओर भी आकृष्ट कराना चाहता हूं कि एक तरफ तो हम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 87 हजार करोड़ रूपये खर्च कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ जहां करोड़ों की आबादी है, जहां के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, वहां के बारे में हम ध्यान नहीं दे रहे हैं। मैं समझता हूं कि उनके साथ न्याय नहीं हो रहा है। मैं पुनः विशेष रूप से उन क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष पैकेज की मांग करता हूं।

सभापति महोदयः आप हंसराज जी से थोड़ा समझौता कर लें तो दोनों की तकलीफ दूर हो जायेगी।

श्री गणेश सिंह : मैंने हंसराज जी से निवेदन किया है कि आप वहां से इंडस्ट्री हटा रहे हो और हम लोग मांग रहे हैं।

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): महोदय, मैं गणेश सिंह जी के भाषण से अपने को सम्बद्ध करना चाहता हूं।

सभापति महोदयः अच्छा, ठीक है।